Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - सरस हिन्दी व्याकरण भाग-IX, X

उपविषय : पर्यायवाची शब्द

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक 'सरस हिन्दी व्याकरण' भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या 25। पर दिए 'पर्यायवाची शब्द' का अध्ययन करेंगे। यह कार्य आपको

बच्चो ! आप सभी अपनी-अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ संख्या 25। खोल कर बैठ जाएँ एवं अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका भी निकाल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। पाठ के बीच-बीच में आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे। उन प्रश्नों को सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए विराम देंगे एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी-अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे। आशा करती हूँ कि आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हो गए हैं।

बच्चो ! पर्यायवाची शब्द आप अपनी पिछली कक्षाओं से करते आ रहे हैं। अतः इस विषय की आपको थोड़ी-बहुत जानकारी तो होगी। आइए, एक बार फिर से इस विषय को जानकर अपने ज्ञान को बढ़ाते हैं।

पर्यायवाची शब्द दो शब्दों के मेल से बना है। 'पर्याय' का अर्थ है समान एवं 'वाची' का अर्थ है बोले जाने वाले। वे शब्द जो भिन्न-भिन्न होते हुए भी किसी एक अर्थ

को स्पष्ट करते हैं, पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। इन्हें समानार्थी या समानार्थक शब्द भी कहा जाता है। जैसे वन के पर्यायवाची शब्द हैं - जंगल, कानन, अरण्य, विपिन आदि। पर्यायवाची शब्दों के अर्थ में सूक्ष्म अंतर होता है। पर्यायवाची शब्दों का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग करते समय सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि संदर्भ के अनुसार इनके अर्थ में सूक्ष्म भिन्नता हो सकती है। उदाहरण स्वरूप :-

मोहन हरिद्वार से गंगा पानी लाया। इस वाक्य में पानी के स्थान पर जल का प्रयोग होना चाहिए क्योंकि जल को पवित्र माना जाता है। अतः प्रत्येक स्थिति में इनका प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर नहीं किया जा सकता।

बच्चो! अब आपकी पुस्तक पर दिए गए पर्यायवाची शब्दों को पढ़ेंगे। आप सभी ध्यान से सुनेंगे एवं इन्हें मेरे पीछे ऊँचे स्वर में दोहराएँगे।

अंक - गोद, आलिंगन।
अंग - तन, गात, कलेवर, शरीर।
अनार - शुवादिन, रामबीज, शुकप्रिय, रक्तबीज, मधुबीज।
अंधकार - अँधेरा, तिमिर, ध्वांत तम।
अवनति - गिरावट, पतन, अधोगति।
अरण्य - कानन, वन, निविड़, जंगल, अरण्य।
अंतःपुर - हरमखाना, जनानखाना, रनिवास।
अग्नि - अनल, पावक, ज्वाला, आग, वह्नि।
अमृत - पीयूष, सुधा, अमी, सोम।
अहंकार - अभिमान, दर्प, दंभ, मान, घमंड।
अज्ञ - मूर्ख, नासमझ, अज्ञानी, अनजान।
अतिथि - मेहमान पाहुना आगंतुक अभ्यागत।
अनुपम - अतुलनीय, निरुपम, अतुल्य, अनोखा।
अश्व - घोड़ा, घोटक, हय, तुरंग, वाजि।
अन्य - भिन्न, दूसरा, और।
अधम - पतित, भ्रष्ट, निकृष्ट, नीच।

कक्षा- नौवीं शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

Date 15/04/24
Page 3

विषय- हिन्दी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द)

अनुचर - सेवक, दास, नौकर, परिचारक, भृत्य ।
अपमान - निरादर, अनादर, तिरस्कार ।
आकाश - अंबर, व्योम, गगन, नभ, आसमान ।
आँख - नेत्र, नयन, लोचन, दृग, चक्षु ।
आनंद - हर्ष, मोद, प्रसन्नता, उल्लास ।
आज्ञा - आदेश, निदेश, निर्देश ।
आख्यान - कथा, कहानी, किस्सा, वृतान्त, वर्णन ।
आभूषण - भूषण, अलंकार, मंडन, आभरण ।
आत्मा - जीव, क्षेत्रज्ञ, चैतन्य ।

बच्चो ! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूंगी । प्रश्न सुनकर आप तीन मिनट के विराम में उन प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे ।

प्रश्न 1. पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं ?

प्रश्न 2. गिरावट, पतन, अधोगति किस शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोई अन्य सही पर्यायवाची शब्द लिखकर वाक्य बनाएँ :-

(क) रात के अंधकार में सबको भय लगता है।
(ख) तुम्हें मेरी आज्ञा माननी पड़ेगी ।

प्रश्न 4. भूषण, अलंकार, मंडन, आभरण और अहंकार में से कौन-सा शब्द आभूषण का पर्यायवाची नहीं है।

बच्चो ! उत्तर लिखने के लिए दिया गया समय अब समाप्त हो चुका है। आशा है कि आपने उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। अब मैं आपको उन्हीं प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी, जो इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. जो शब्द अर्थ की दृष्टि से समान होते हैं, उन्हें पर्यायवाची, समानार्थी या समानार्थक शब्द कहते हैं।

उत्तर 2. गिरावट, पतन, अधोगति 'अवनति' शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं।

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा 15/04/24
विषय - हिन्दी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द) Page 4

उत्तर उ. (क) रात के तिमिर में सबको भय लगता है।
(ख) तुम्हें मेरा आदेश मानना पड़ेगा।

उत्तर 4. भूषण, अलंकार मंडन आभरण और अहंकार में से अहंकार शब्द आभूषण शब्द का पर्यायवाची नहीं है।

बच्चो ! अब हम आगे के पर्यायवाची शब्दों को भी पढ़ेंगे। इन शब्दों को भी आप मेरे पीछे ऊँचे स्वर में दोहराएँगे।

आम - आम्र, कमलवल्लभ, सहकार, रसाल, पिकबंधु।
आँसू - अश्रु, नेत्रजल, नेत्राम्बु।
इच्छा - अभिलाषा, लालसा, चाह, मनोरथ, स्पृहा।
इन्द्र - देवराज, सुरेन्द्र, सुरपति, देवेंद्र, सुरेश।
ईश्वर - ईश, प्रभु, जगदीश, परमेश्वर, परमात्मा।
इंद्राणी - इंदिरा, ऐंद्री, इंद्रवधू, शची।
इंद्रपुरी - देवपुरी, देवलोक, स्वर्ग, अमरावती, अलकापुरी।
इति - अंत, समाप्ति।
उचित - समीचीन, योग्य, उपयुक्त।
उजाला - रोशनी, प्रकाश, प्रभा, दीप्ति, आलोक।
उन्नति - विकास, उत्थान, अभ्युदय।
उत्तम - श्रेष्ठ, उत्कृष्ट, मुख्य, प्रधान।
उद्देश्य - लक्ष्य, ध्येय, तात्पर्य, इष्ट, मकसद।
उपवन - उद्यान, वाटिका, बाग, बगीचा, फुलवारी।
उपाय - रीति, युक्ति, साधन।
उदर - पेट, जठर।
उदार - दानी, महान, असंकीर्ण।
कमल - अंबुज जलज सरोज राजीव नलिन अब्ज, पंकज।
कपट - छल, वंचना, धोखा।
किनारा - तट, तीर, कूल, कगार।
किरण - रश्मि, अंशु, मरीचि, कर।
कृपा - अनुग्रह, अनुकंपा, दया, करुणा।

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा Date 15/04/24
विषय - हिन्दी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द) Page 5

कोयल	पिक, कोकिल, वनप्रिय, वसंतदूत, श्यामा।
कपड़ा	वस्त्र, अंबर, वसन, चीर, पट।
कल्पवृक्ष	कल्पतरु, सुरतरु, कल्पद्रुम, देववृक्ष।

बच्चो! अब मैं आपसे फिर कुछ प्रश्न पूछूँगी। निम्नलिखित प्रश्न उपर्युक्त पर्यायवाची शब्दों पर ही आधारित होंगे। प्रश्न सुनकर आप तीन मिनट के लिए अपनी ऑडियो को रोककर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. 'उद्देश्य' एवं 'इच्छा' शब्द के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

प्रश्न 2. अनुग्रह, अनुकंपा, दया एवं करुणा किस शब्द के पर्यायवाची हैं?

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोई अन्य सही पर्यायवाची शब्द लिखकर वाक्य बनाएँ :-
(क) ईश्वर की अराधना करो।
(ख) भारत उन्नति की ओर बढ़ रहा है।

बच्चो! विराम की अवधि अब समाप्त हो चुकी है। आशा है कि आपने उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. 'उद्देश्य' शब्द के पर्यायवाची हैं :- लक्ष्य, ध्येय, तात्पर्य। इसी प्रकार 'इच्छा' शब्द के पर्यायवाची हैं :- चाह, अभिलाषा, मनोरथ।

उत्तर 2. अनुग्रह, अनुकंपा, दया, एवं करुणा 'कृपा' शब्द के पर्यायवाची हैं।

उत्तर 3. (क) प्रभु की अराधना करो।
(ख) भारत विकास की ओर बढ़ रहा है।

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

Date 15/04/24
Page 6

विषय- हिन्दी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द)

[Last Page]

बच्चो ! आज हमने अंक से कल्पवृक्ष तक पर्यायवाची शब्दों को पढ़ा है। आशा करती हूँ कि आपने भी इन्हें ध्यानपूर्वक सुना होगा एवं मेरे पीछे दोहराया भी होगा। आप सभी इन पर्यायवाची शब्दों को पुन: दो-तीन बार अवश्य दोहराएंगे। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ। इस कार्य को आप सभी अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी-अपनी व्याकरण की पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या 25। पर दिए पर्यायवाची शब्द अंक से लेकर कल्पवृक्ष तक दो-तीन बार पढ़ेंगे एवं इन्हें अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में भी लिखेंगे। इस कार्य को आप सुन्दर लिखाई में करेंगे एवं इन्हें याद भी करेंगे। हिन्दी विषय पढ़ने वाले सभी छात्रों का इस कार्य को करना अनिवार्य है।

धन्यवाद ।